

बाइरैक ८3

प्रेरण • नवप्रवर्तन • व्यवसाय

आर्थिक विकास की ओर बढ़ते कदम...



बाइरैक

संपादकीय समिति

डॉ. शिरशेन्दु मुखर्जी
मिशन निदेशक
ग्रैंड चैलेंजेज इंडिया

सुश्री गिन्नी बंसल
परामर्शदाता (संचार)
ग्रैंड चैलेंजेज इंडिया

सुश्री हिमांशी शर्मा
परामर्शदाता (संचार)
राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन

$$M_x = \frac{M(x)}{M(-)}$$



डिज़ाइन और उत्पादन

गोल्डमाइन एडवर्टाइजिंग लिमिटेड, 4834/24, प्रथम तल, किरण मेशन, अंसारी रोड, नई दिल्ली-110002

अनुक्रमणिका

इस अंक में

नेतृत्वकर्ता का संदेश 02

मुख्य संपादक के विचार 03

बाइरैक की मुखकृति 04

स्पर्श अध्येता — स्नातक दिवस और निवेशक बैठक

बाइरैक की रिपोर्ट 07

बौद्धिक संपदा और प्रौद्योगिकी प्रबंधन

बीआईजी 20वीं कॉल का आयोजन

बायोटेक इग्निशन ग्रांट (बीआईजी) कॉल-19

अमृत ग्रैंड चैलेंज "जनकेयर" कार्यक्रम

पहली राष्ट्रीय ई-युवा

सितारे

बायोटेक इनोवेशन इग्निशन स्कूल (बीआईआईएस)

बाइरैक इक्विटी फंडिंग योजनाएं (सीड फंड)

बाइरैक इक्विटी फंडिंग योजनाएं (लीप फंड)

बाइरैक द्वारा समर्थित स्टार्ट-अप्स के लिए फंडिंग और मान्यता

आगे बढ़ने की गतिविधियाँ

बायोनेस्ट नेटवर्क अपडेट 19

बायोनेस्ट बायोइनक्यूबेटर-ई-युवा केंद्र

रोड शो 21

आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम

मानव संसाधन एवं प्रशासनिक गतिविधियाँ 22

साझेदारियां 25

ग्रैंड चैलेंजेज इंडिया

राष्ट्रीय कार्यक्रम 26

राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन



नेतृत्वकर्ता का संदेश



डॉ. राजेश एस गोखले

सचिव, डीबीटी एवं अध्यक्ष, बाइरैक

के लिए अत्याधुनिक अनुसंधान डोमेन के साथ साझेदारी करके उद्यमशीलता की मानसिकता को बढ़ावा दे रहा है और नवाचार की भावना का समर्थन कर रहा है। बायोटेक्नोलॉजी इकोसिस्टम के विकास में बाइरैक का बहुत बड़ा योगदान बेहद परिवर्तनकारी है।

बाइरैक केवल नवाचारों को बढ़ावा देने और उनके व्यावसायीकरण को सुविधाजनक बनाने के लिए ही नहीं, बल्कि भारतीय उद्यमों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा को सुनिश्चित करने के लिए भी समर्पित है। डीबीटी-बाइरैक ने उभरते हुए बायोटेक्नोलॉजी इकोसिस्टम को सशक्त और सक्रिय किया है, जिसका 2024-25 तक देश के 5 ट्रिलियन अमरीकी डालर के लक्ष्य पर प्रभाव डालने का अनुमान है। बाइरैक द्वारा समर्थित नवाचारों ने एक लंबा सफर तय किया है और स्वास्थ्य, कृषि व स्वास्थ्य देखभाल जैसे क्षेत्रों में गहरा प्रभाव डाला है।

अपनी स्थापना के बाद से, बाइरैक ने नवाचार और स्टार्टअप के इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई परियोजनाएं, कार्यक्रम, इवेंट और सहयोगी मॉडल स्थापित किए हैं। स्वच्छ भारत, मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया और अन्य विभिन्न मिशन कार्यक्रमों के साथ बाइरैक का घनिष्ठ संरेखण भी स्वदेशी समाधानों के विकास और सत्यापन में सहायता कर रहा है जो देश की अधूरी जरूरतों का समाधान करते हैं। बाइरैक का उद्देश्य बायोटेक स्टार्टअप्स और एसएमई को स्थानीय और वैश्विक हितधारकों से जोड़कर और वैश्विक उत्कृष्टता प्राप्त करने में उनकी सहायता करके उनकी क्षमताओं में सुधार करना है।

जैसा कि 20 मार्च, 2022 को बाइरैक ने नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र का पोषण और भारतीय उद्यमों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा को सुविधाजनक बनाने के लिए अपनी दसवीं वर्षगांठ मनाई है, मैं इस अवसर पर संगठन में सभी को उनकी उपलब्धियों के लिए धन्यवाद और बधाई देना चाहता हूं। नए स्टार्टअप, पेटेंट फाइलिंग, प्रौद्योगिकी और उत्पादों की लगातार बढ़ती संख्या देश में बायोटेक स्टार्टअप के विस्तार का संकेत दे रही है। मुझे विश्वास है कि अगले कुछ वर्षों में, हमारे समुदायों और दुनिया भर में अंतर को जारी रखते हुए, बाइरैक बायोटेक क्षेत्र में नए और अप्रत्याशित तरीकों से क्रांति लाने में मदद करने के लिए अच्छी तरह से तैनात रहेगा।



डॉ. अलका शर्मा

वरिष्ठ सलाहकार, डीबीटी एवं
प्रबंध निदेशक—बाइरैक

मुख्य संपादक के विचार

“

हाल के कुछ वर्षों में, भारत के जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र ने तेजी से विकास किया है, जिसमें बायोफार्मास्युटिकल क्षेत्र सबसे आगे है। आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी की बदौलत आज स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं, भोजन, ऊर्जा और संरक्षण में कई सफलताएँ प्राप्त हो रही हैं।

डीबीटी—बाइरैक ने समाज के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए विभिन्न क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित नवाचारों का समर्थन करने के लिए लगातार प्रयास किए हैं। बाइरैक का सपना आत्मनिर्भर भारत के एक मिशन को पूरा करना है और इसने बायोफार्मास्युटिकल व बायो—सर्विस सेक्टर के प्रदर्शन को तेज करके महामारी के दौरान नागरिकों की सेवा की है। पिछले 30 वर्षों में स्वास्थ्य देखभाल पर जैव प्रौद्योगिकी का बहुत बड़ा प्रभाव पड़ा है, और यह आने वाले भविष्य में भी जारी रहेगा क्योंकि डीबीटी—बाइरैक विभिन्न अभिसरण मंचों को विकसित करने के लिए काम करता है जो एक देश के रूप में अभिकर्मकों, निदानों, वैक्सीन और चिकित्सा विज्ञानों के विकास के लिए उत्पाद संसाधनों और प्रौद्योगिकी सेवाओं के मामले में हमारी आवश्यकताओं को सुव्यवस्थित करेंगे।

जैव प्रौद्योगिकी उद्योग में भारत की अर्थव्यवस्था को बदलने की अपार संभावनाएं हैं। अक्सर भारत की “सनराइज़ इंडस्ट्रीज” में से एक के रूप में संदर्भित, जैव प्रौद्योगिकी उद्योग ने पहले ही देश में जैव प्रौद्योगिकी नवाचार के लिए एक अनुकूल वातावरण प्रदान करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। उत्पाद के वितरण के लिए पारिस्थितिकी तंत्र की जीवंतता को प्रमुख नीति चालकों और समर्थकों के साथ एक मजबूत नियामक वातावरण की आवश्यकता है। बाइरैक ने बौद्धिक संपदा अधिकारों के पोषण और समर्थन के लिए शक्ति और एक तंत्र प्रदान किया है, साथ ही अकादमिक संस्थानों में विकसित विचारों के व्यावसायीकरण की तलाश करने वाली कंपनियों के साथ सहयोग किया है।

बाइरैक के लिए, जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र को रणनीतिक महत्व देना इस समय की आवश्यकता बन चुकी है, जिसमें स्वास्थ्य संबंधी उत्पादों और निवेश के उत्पादन में तेजी लाने की आवश्यकता है। 75 बायो—इन्क्यूबेटर्स और चार क्षेत्रीय उद्यमिता विकास केंद्रों के समर्थन के माध्यम से, बाइरैक ने केवल दस वर्षों में 3500 से अधिक उद्यमियों, स्टार्टअप्स और एसएमई, 350 औद्योगिक संबंधों और 713132 वर्ग फुट इन्क्यूबेशन स्पेस का विकास किया है। अब तक बनाए गए 750 उत्पादों और प्रौद्योगिकियों के साथ—साथ, बाइरैक में 1250 आईपी उत्पन्न किए गए हैं।

बाइरैक केवल नवाचारों को बढ़ावा देने और उनके व्यावसायीकरण को सक्षम करने के लिए ही नहीं बल्कि भारतीय उद्यमों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा को सुनिश्चित करने के लिए भी प्रतिबद्ध है। बाइरैक द्वारा समर्थित नवाचारों ने कृषि व्यवसाय से लेकर स्वास्थ्य देखभाल और फार्मास्युटिकल्स से लेकर ऊर्जा और कंप्यूटिंग तक की समस्याओं का समाधान करने में एक लंबा सफर तय किया है। बाइरैक ने नवप्रवर्तकों, एसएमई, स्टार्टअप्स को जो संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र दिया है, वह प्रमुख सामाजिक समस्याओं को दूर करने में बेहद लाभकारी सिद्ध हुआ है।

”

स्पर्श (उत्पादों के लिए सामाजिक नवाचार कार्यक्रम: किफायती और सामाजिक स्वास्थ्य के लिए प्रासंगिक) अध्येता – स्नातक दिवस और निवेशक बैठक

स्पर्श नॉलेज पार्टनर, टीआईएसएस के सहयोग से जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक) ने 22 और 23 मार्च 2022 को आईआईटी-दिल्ली परिसर में एफआईटीटी की रिसर्च पार्क सुविधा में स्पर्श केंद्र में “स्नातक दिवस और निवेशकों की बैठक” का आयोजन किया। यह कार्यक्रम स्पर्श नवोन्मेषकों की विसर्जन यात्रा के पूरा होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। स्पर्श अध्येता, पीआई और 14 स्पर्श केंद्रों के प्रबंधकों, टीआईएसएस संकाय, बाइरैक विशेषज्ञों और प्रतिनिधियों, निवेशकों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों सहित 100 से अधिक प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।





अध्येताओं को 18 महीने की अवधि में बाइरैक, विषय विशेषज्ञों, टीआईएसएस और स्पर्श केंद्रों द्वारा सलाह दी गई और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से अध्येताओं ने स्पर्श फेलोशिप के माध्यम से अंकुरित विचार के सिद्धांत को प्रमाणित करने के लिए एक अल्फा स्तर प्रोटोटाइप / तकनीक विकसित की है।



आईआईटी दिल्ली के विशेषज्ञों, शिक्षकों और छात्रों ने स्टालों का दौरा किया, जहां फेलोशिप कार्यक्रम के तहत विकसित किए गए पोस्टर और प्रोटोटाइप प्रदर्शित किए गए थे। 65 अध्येताओं के समूह ने लगभग 60 प्रोटोटाइप विकसित किए और करीब 30 आईपी फाइल किए गए। विषय विशेषज्ञों ने फेलोशिप के पूरा होने पर अंतिम परिणाम की सराहना की। अध्येताओं ने बाइरैक की प्रबंध निदेशक से पूर्णता प्रमाण पत्र प्राप्त किया और अपनी उद्यमिता यात्रा के नए अध्याय की शुरुआत की।



इस कार्यक्रम में संभावित निवेशकों के साथ स्पर्श अध्येताओं को बातचीत करते हुए भी देखा गया। 5 निवेशकों ने अध्येताओं के साथ अनुदान बढ़ाने और निवेशकों को पिच करने की सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया। इस कार्यक्रम ने नेटवर्किंग के अवसर प्रदान किए और अपने उत्पादों और प्रौद्योगिकियों को प्रदर्शित करने के लिए बहुत आवश्यक मंच प्रदान किया।



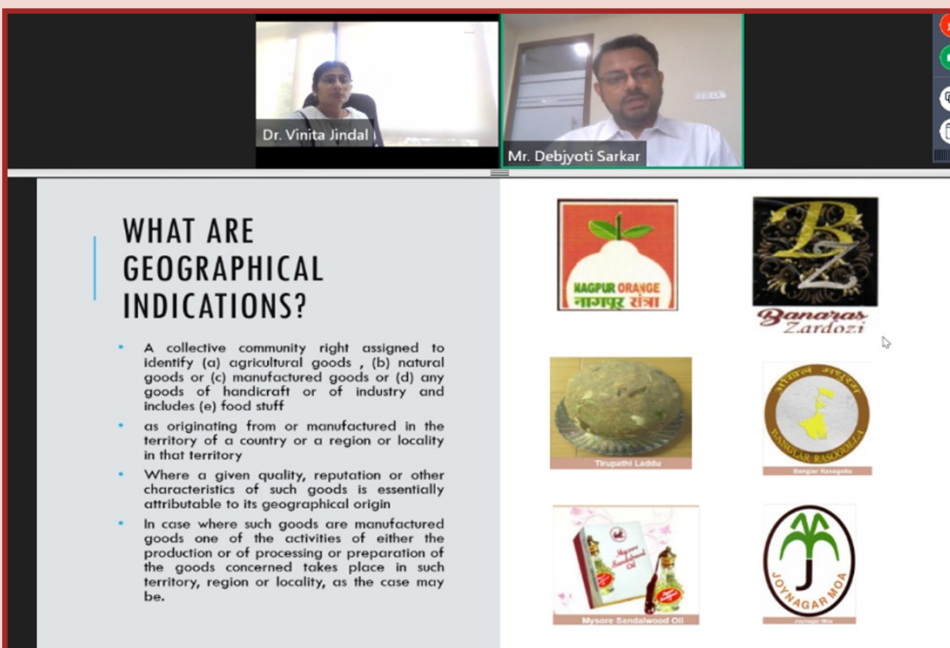
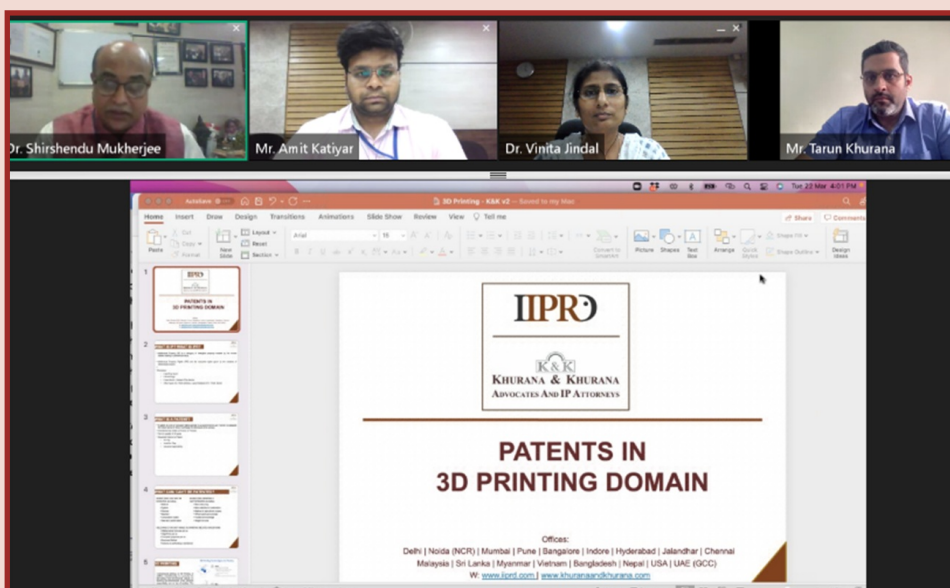
स्पर्श फेलोशिप का नया समूह अप्रैल 2022 से शुरू हुआ। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, उम्र बढ़ने और स्वास्थ्य, एग्रीटेक, वेस्ट टू वैल्यू, पर्यावरण प्रदूषण का मुकाबला और खाद्य और पोषण के विषयगत क्षेत्रों में अपनी सामाजिक नवाचार विसर्जन यात्रा शुरू करने के लिए 67 स्पर्श अध्येताओं की भर्ती की गई।



बौद्धिक संपदा और प्रौद्योगिकी प्रबंधन

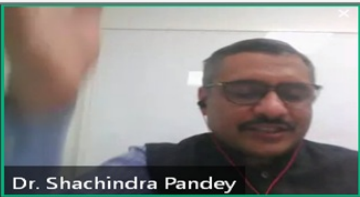
शैक्षणिक संस्थानों के स्टार्ट-अप,
छात्रों, वैज्ञानिकों और आईपी और टेक ट्रांसफर फ्रटर्निटी को जागरूक करने के लिए
वेबिनार

बाइरैक ने विभिन्न विषयों पर स्टार्ट-अप, छात्रों, शैक्षणिक संस्थानों के वैज्ञानिकों और आईपी व टेक ट्रांसफर फ्रटर्निटी को संवेदनशील बनाने के लिए वेबिनार की एक श्रृंखला का आयोजन किया जैसे कि "पेटेंट की प्रक्रिया और रणनीति", "3डी-प्रिंटिंग: पेटेंट और बौद्धिक संपदा की चुनौतियां", "भौगोलिक संकेत और इसकी पंजीकरण प्रक्रिया" और "जैव-संपत्ति पर प्राइमर"। इस वेबिनार में लगभग 120 प्रतिभागियों ने भाग लिया।



बाइरैक की वेबिनार श्रृंखला की एक झलक





Dr. Shachindra Pandey



WHAT IS A PATENT ?

- A patent is a set of **exclusive rights** (monopoly) granted by a (government authority) to an inventor or assignee for a limited period of time (20 years) in exchange for detailed public **disclosure** of an invention.
- Is a solution to a specific technological problem and is a '**product**' or a '**process**'.
- Territorial right** - Separate applications to be filed in different countries
- A right to exclude others from: making, using, offering for sale, selling or importing the patented invention
- Negative right** - Sole right to exclude others from making, using, or selling an invention








PRIMER ON BIOPROPERTY

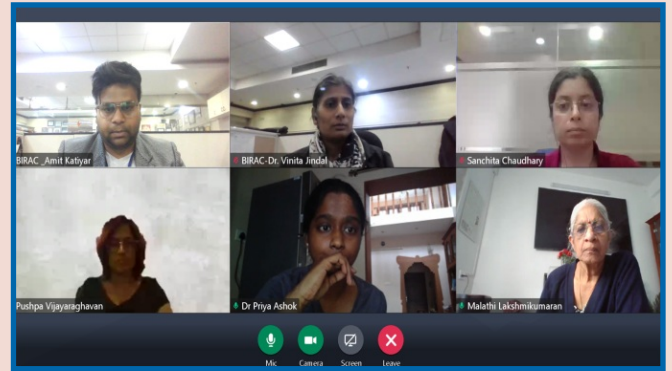
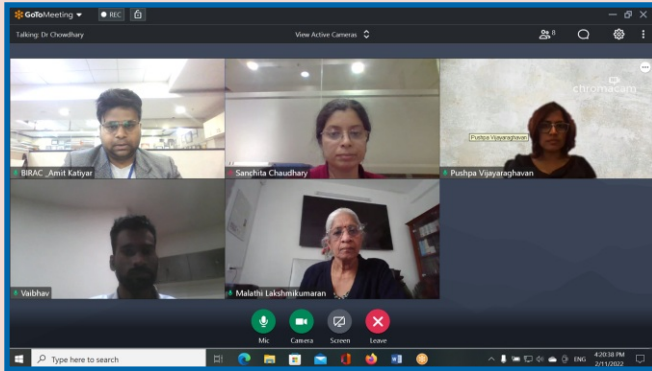
©K.VIJAYARAGHAVAN.RTTP

Since 1985



बाइरैक आईपी एंड टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट लॉ क्लिनिक कनेक्ट

बाइरैक ने 11 फरवरी, 2022 को आईपी एंड टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट लॉ क्लिनिक कनेक्ट का एक वर्चुअल सत्र आयोजित किया, जिसमें डोमेन विशेषज्ञों के साथ आईपी और लाइसेंसिंग मामलों पर चर्चा करने के लिए 6 स्टार्ट-अप और इनोवेटर्स शामिल हुए।



बाइरैक आईपी एंड टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट लॉ क्लिनिक कनेक्ट की एक झलक

बीआईजी 20वीं कॉल

बायोटेक्नोलॉजी इग्निशन ग्रांट (बीआईजी)

बाइरैक के प्रमुख कार्यक्रम, बायोटेक्नोलॉजी इग्निशन ग्रांट (बीआईजी), नए विचारों को उभारना, 20वीं कॉल 1 जनवरी 2022 को लॉन्च किया गया था। बीआईजी कार्यक्रम के तहत, व्यक्तिगत उद्यमियों और स्टार्ट-अप को स्वास्थ्य देखभाल, जीवन विज्ञान, निदान, चिकित्सा उपकरण, दवाएं, टीके, दवा निर्माण, और वितरण प्रणाली, औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी, अपशिष्ट प्रबंधन, कृषि और माध्यमिक कृषि, स्वच्छता, स्वच्छ ऊर्जा आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में नवाचारों के लिए 50 लाख रुपये तक की सहायता प्रदान की जाती है।

20वीं कॉल के तहत, 833 आवेदन प्राप्त हुए जिनकी जांच और मूल्यांकन किया जा रहा है।



BIOTECHNOLOGY INDUSTRY RESEARCH ASSISTANCE COUNCIL (A Govt. of India Enterprise)

BIG 20th Call

BIOTECHNOLOGY IGNITION GRANT
Igniting New Ideas

Upto INR 50 Lakhs

Innovative Idea having potential for commercialization
About 700 ideas already supported

Innovations under Healthcare, Lifesciences, Diagnostics, Medical Devices, Drugs, Vaccines, Drug Formulations and delivery systems, Industrial Biotechnology, Agriculture, Secondary agriculture, Waste Management, Sanitation, Clean Energy and related areas.

Eligible Entities Include

- Individual Entrepreneur with Graduate degree in any discipline, Research Scholar, Scientist
- Start-up having a registered company/ LLP incorporated on/after 1st January, 2017

Seek Mentoring from BIRAC's BIG Partners & Nearby Associate BIG Partners

BIRAC's BIG Partners

Apply Online: www.birac.nic.in

Apply Before: 15th February 2022 (05:30 PM)

Refer guidelines and FAQs: www.birac.nic.in

For additional info, please contact " Ms. Taranjeet Kaur
Email: biracbig.dbt@nic.in ; sped01@birac.nic.in

बायोटेक इग्निशन ग्रांट (बीआईजी) कॉल-19 के लिए अंतिम चयन की बैठक

बीआईजी-19 चयन: बायोटेक इग्निशन ग्रांट (बीआईजी) कॉल-19 के लिए अंतिम चयन की बैठक, सचिव डीबीटी और अध्यक्ष-बाइरैक की अध्यक्षता में फरवरी 2022 में आयोजित की गई थी। स्टार्टअप्स द्वारा कुल 48 नवीन परियोजनाओं को बीआईजी कार्यक्रम के तहत समर्थन के लिए अनुमोदित किया गया था, जिसके लिए प्रत्येक आवेदक को 50 लाख तक की फंडिंग सहायता प्राप्त होगी।



अमृत ग्रैंड चैलेंज "जनकेयर" कार्यक्रम के अंतर्गत प्रस्तावों के लिए कॉल

अमृत ग्रैंड चैलेंज "जनकेयर" के तहत प्रस्तावों के लिए कॉल, स्वास्थ्य देखभाल के वितरण की परिकल्पना—एक अरब लोगों के जीवन को छूना की घोषणा 26 जनवरी 2022 को की गई थी।

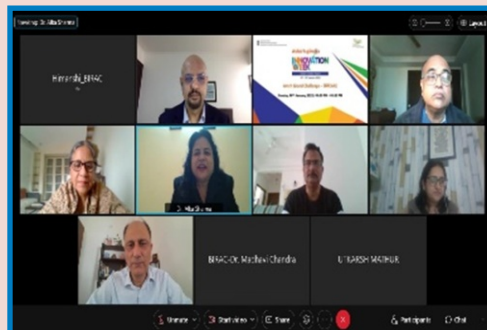
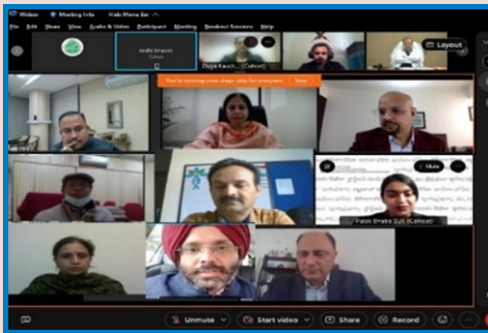
इस कार्यक्रम की घोषणा 28 सितंबर 2021 को आयोजित बाइरैक की 10वीं इनोवेटर्स बैठक में की गई थी, जिसमें डॉ. जितेंद्र सिंह, माननीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जी की उपस्थिति में डिजिटल हेल्थ, टेलीमेडिसिन, एमहेल्थ में 75 नवाचारों की पहचान और समर्थन किया गया था।

इस कार्यक्रम के माध्यम से बाइरैक, मेट्री, नासकॉम, ग्रैंड चैलेंजेस इंडिया (जीसीआई) और कई अन्य साझेदारों के सहयोग से, भारत में स्वास्थ्य देखभाल के पारिस्थितिक तंत्र को मजबूत बनाने के लिए बिग डेटा, ब्लॉकचैन, एआई/एमएल और अन्य तकनीकों का उपयोग करके टेलीमेडिसिन, डिजिटल हेल्थटेक, एमहेल्थ में स्टार्ट-अप और उद्यमियों द्वारा 75 हेल्थटेक इनोवेशन का समर्थन करेगा। यह कार्यक्रम राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन (एनडीएचएम) के साथ जुड़ा हुआ है और भारतीय नागरिकों के लिए अनिवार्य डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड और रोगी अनुपालन मानकों के प्रबंधन के विभिन्न कार्यक्षेत्रों का समर्थन करने का प्रयास करेगा। यह कार्यक्रम कई राज्यों, मेडटेक उद्योगों, अस्पतालों और कॉरपोरेट में अनुदान, मेंटरशिप और स्केलिंग के लिए विस्तारित समर्थन प्रदान करेगा।

अनुदान 3 श्रेणियों के तहत प्रदान किया जाएगा:

1. विचार और परीक्षण: 60 प्रारंभिक चरण के नवाचारों में प्रत्येक को 10 लाख रुपये का अनुदान मिलेगा।
2. पूर्व-व्यावसायीकरण: 13 बाद वाले चरण के नवाचारों में प्रत्येक को 20 लाख तक का अनुदान प्राप्त होगा।
3. बहु-केंद्रित उत्पाद परिनियोजन: 2 उन्नत चरण के नवाचारों में से प्रत्येक को 50 लाख का अनुदान प्राप्त होगा।

बाइरैक द्वारा समर्थित बायोनेस्ट बायोइनक्यूबेटर आईकेपी नॉलेज पार्क ने 11 फरवरी से 10 मार्च 2022 तक अमृत ग्रैंड चैलेंज "जनकेयर" पर 8 वेबिनार की एक श्रृंखला का आयोजन किया।












AMRIT GRAND CHALLENGE

जनCARE

Reimagining the Healthcare Delivery - Touching a billion lives

- 75 Healthtech innovation from startups and entrepreneurs
- Innovation for Telemedicine, Digital Health, mHealth with Big Data, AI/ML, Block Chain and other technologies
- Opportunities for Funding, Mentorship and Scaling up Several States, MedTech Industries, Hospitals and Corporates onboard

AREA OF FOCUS

- Access to primary healthcare in tier-2, tier-3 cities and rural settings
- Solutions to enhance patient compliance
- Health Data Collection, Predictive Analysis and Digital Learning in Medicine
- Data Privacy, Storage and Security Solutions
- Solutions for improved community outreach
- Data driven modeling to enable pharma/biopharma research development and Innovation

Solutions aligned with National Health Digital Mission and Ayushman Bharat will get preference.

Funding Support

Ideation and Testing	Pre-commercialization	Multi-centric Product Deployment
60 early-stage innovations	13 Late-stage innovations	2 Advanced stage innovations
INR 10 Lakh each	INR 20 Lakh each	INR 50 Lakh each

Apply online : www.birac.nic.in by 31 March 2022








AMRIT GRAND CHALLENGE

जनCARE

REIMAGINING HEALTHCARE DELIVERY - TOUCHING A BILLION LIVES

60 EARLY-STAGE INNOVATIONS

get INR 10 Lakhs each for Ideation and testing

13 LATE-STAGE INNOVATIONS

get INR 20 lakhs each for Pre-commercialisation

2 ADVANCED-STAGE INNOVATIONS

get INR 50 lakhs each for Multi-centric Product Deployment

Preference for solutions aligned with National Digital Health Mission and Ayushman Bharat

For call overview and application, visit https://www.birac.nic.in/desc_new.php?id=887

APPLY BY MARCH 31, 2022

JOIN IKP TO LEARN MORE ABOUT THE GRAND CHALLENGE CALL

SNO.	CALL FOCUS AREA & WEBINAR TOPIC	DATE
01	Health data collection, Predictive analysis and Digital learning in medicine-1	11 Feb
02	Access to primary healthcare in tier-2, tier-3 cities and rural settings-1	15 Feb
03	Health data collection, Predictive analysis and Digital learning in medicine-2	18 Feb
04	Solutions for improved community outreach	22 Feb
05	Access to primary healthcare in tier-2, tier-3 cities and rural settings-2	25 Feb
06	Solutions on health data privacy, storage and security	02 Mar
07	Solutions to enhanced patient compliance	04 Mar
08	Data-driven modelling for Pharma/Biopharma R&D and innovation	10 Mar

Register at: <https://bit.ly/JanCARE>

For partnership opportunities & further enquiries, write to: agcjancare@ikpknowledgepark.com

Send your awards application to: www.birac.nic.in by March 31, 2022

IKP



पंजाब स्टेट काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी ने संयुक्त रूप से डीबीटी, बाइरैक, नैसकॉम फाउंडेशन और एम्स-भटिंडा के साथ चल रहे "ट्यूकेयर" इनोवेशन चैलेंज के तहत चुने गए स्टार्ट-अप के दो हेल्थकेयर इनोवेशन का पायलट टेस्ट-बेड सत्यापन शुरू किया। वर्चुअल मोड के माध्यम से 18 जनवरी 2022 को पंजाब में कम संसाधन वास्तविक समय सेटिंग्स में इन नवाचारों को आगे बढ़ाने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।



ई-युवा के तहत प्रस्तावों के लिए पहली राष्ट्रीय कॉल (मूल्य वर्धित अभिनव ट्रांसलेशन रिसर्च के उपक्रम के लिए युवाओं को सशक्त बनाना)

ई-युवा के तहत प्रस्तावों के लिए पहली राष्ट्रीय कॉल (मूल्य वर्धित अभिनव ट्रांसलेशन रिसर्च के उपक्रम के लिए युवाओं को सशक्त बनाना) की घोषणा 26 जनवरी 2022 को की गई थी। ई-युवा स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर छात्रों का समर्थन करके छात्र उद्यमिता को बढ़ावा देता है। ई-युवा योजना के तहत बाइरैक 250 यूजी और 30 पीजी/पीएचडी को फेलोशिप की सहायता प्रदान करेगा।



बाइरैक ने देश भर में पूर्व-इनक्यूबेशन सुविधाओं के रूप में 10 ई-युवा केंद्रों का एक नेटवर्क स्थापित किया है। यह केंद्र यूजी/पीजी/पीएचडी के छात्रों द्वारा नवोन्मेषी अनुसंधान करने के लिए बुनियादी ढांचे के साथ 30,000 वर्ग फुट से अधिक जगह प्रदान करते हैं। 10 केंद्रों में से प्रत्येक को नॉलेज पार्टनर के रूप में एक परिपक्व बायोनेस्ट बायोइनक्यूबेटर द्वारा समर्थित किया जाता है।

पहली कॉल के तहत 300 से अधिक आवेदन (टीमों में, 700 से अधिक छात्रों द्वारा) प्राप्त हुए थे, जिनकी अब समर्थन के लिए जांच और मूल्यांकन किया जा रहा है।



सितारे

बायोटेक इनोवेशन इग्निशन स्कूल (बीआईआईएस-10)

एसआरआईएसटीआई (सोसाइटी फॉर रिसर्च एंड इनिशिएटिव्स फॉर सस्टेनेबल टेक्नोलॉजीज एंड इंस्टीट्यूशंस) बाइरैक के सहयोग से बायोटेक इनोवेशन इग्निशन स्कूल (बीआईआईएस) नामक यूजी छात्रों के लिए तीन सप्ताह का आवासीय (कोविड दिनों के दौरान वर्चुअल) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है। यह स्कूल विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए जमीनी स्तर पर नवाचारों के आसपास सत्यापन, मूल्यवर्धन और उत्पाद विकास पर ध्यान केंद्रित करता है। बीआईआईएस के तहत चयनित छात्रों को फार्माकोग्नॉसी/फाइटोकेमिस्ट्री, सॉयल माइक्रोबायोलॉजी, पशु चिकित्सा, कृषि और चिकित्सा उपकरणों के रूप में मुख्य रूप से पांच क्रिया-अनुसंधान क्षेत्रों में अलग-अलग परियोजनाएं सौंपी जाती हैं। बीआईआईएस के लिए टियर 2/3 शहरों और आकांक्षी जिलों से छात्रों के चयन पर विशेष ध्यान दिया गया है।

बीआईआईएस के दौरान, छात्रों को स्व-शिक्षण पाठ्यक्रम सामग्री, संदर्भ रीडिंग, घरेलू प्रयोगों को आगे बढ़ाने और सामुदायिक ज्ञान/जमीनी नवाचारों के लिए मूल्य जोड़ने के लिए एक प्रोटोकॉल विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

बीआईआईएस के सत्रों और व्याख्यानों में प्रतिष्ठित व्यक्तियों द्वारा बातचीत, स्टार्टअप द्वारा केस स्टडी, बायोइनक्यूबेटर नेताओं, बाइरैक के विशेषज्ञ और उद्योग जगत के नेता शामिल होते हैं।

बीआईआईएस के दो संस्करण वर्चुअल रूप से आयोजित किए गए थे:

10वां बीआईआईएस: 15 फरवरी से 6 मार्च 2022

11वां बीआईआईएस: 7 मार्च से 27 मार्च

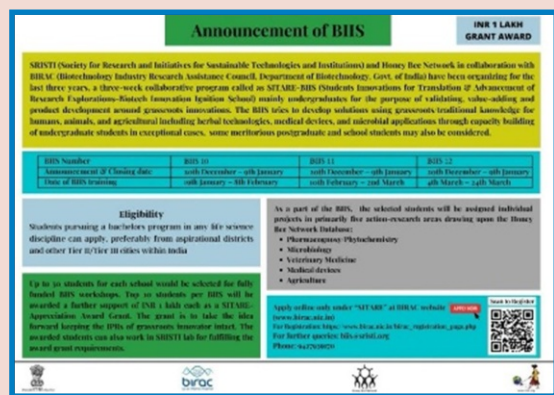
इसमें बायोटेक्नोलॉजी विभाग की पूर्व सचिव डॉ. रेणु स्वरूप ने उद्घाटन का भाषण दिया। डॉ. शेखर सी. मंडे, सचिव, डीएसआईआर और महानिदेशक, वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद सहित विभिन्न प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भी दर्शकों को संबोधित किया।

प्रति कार्यशाला के 50 छात्रों में से 10 छात्रों का चयन किया जाएगा और प्रत्येक को एक लाख तक का अनुदान प्रदान किया जाएगा ताकि उनकी वैज्ञानिक योग्यता को प्रोत्साहित और पोषित किया जा सके।



SITARE
BIOTECH INNOVATION IGNITION SCHOOL (BIIS-10)
(15th Feb- 6th March)
Inauguration : 15th Feb 2022, 10:30-11:15 AM, Tuesday

Dr. Renu Swarup
Former Secretary, Department of Biotechnology
Ministry of Science & Technology, Government of India



Announcement of BIIS
INR 5 LAKH GRANT AWARD
SRMCTI (Society for Research and Initiatives for Sustainable Technologies and Institutions) and Honey Bee Network in collaboration with BIRAC (Biotechnology Industry Research Initiatives Council, Department of Biotechnology, Govt. of India) have been organizing for the last three years, a three-week collaborative program called as SITARE-BIIS (Students Innovations for Transition & Advancement of Research Exploration-Retech Innovation Ignition School) mainly undergraduate for the purpose of validating, value-adding and product development around grassroots innovations. The BIIS tries to develop solutions using grassroots traditional knowledge for human, animals, and agricultural including herbal technologies, medical devices, and material applications through capacity building of undergraduate students in exceptional cases, some meritorious postgraduate and school students may also be considered.

BIIS Number	BIIS 10	BIIS 11	BIIS 12
Commencement & Closing date	15th February - 6th March	7th February - 26th March	16th February - 26th March
Date of BIIS initiation	15th February	16th February	16th March

Eligibility
Students pursuing a bachelor's program in any life science discipline can apply, preferably from aspirational districts and other Tier II/III cities within India.

As a part of the BIIS, the selected students will be assigned individual projects in primarily five action-research areas drawing upon the Honey Bee Network Database:
• Pharmacognosy/Phytochemistry
• Microbiology
• Veterinary Medicine
• Medical Devices
• Agriculture

Up to 10 students for each school would be selected for BIIS. BIIS will be awarded a further support of INR 1 lakh each as a SITARE-Appreciation Award Grant. The grant is to take the idea forward keeping the 10% of grassroots innovation intact. The awarded students can also work in SRMCTI lab for fulfilling the award grant requirements.

Apply online only under "SITARE" at BIRAC website (www.birac.org)
For Information: 011-2610-1100, 011-2610-1101, 011-2610-1102
For further queries: biis@birac.org
Phone: 011-2610-1100



SITARE
Biotech Innovation Ignition School (BIIS)
DAY-1
Overview on BIRAC Introduction of the Chairperson Vote of Thanks



Date: March 7, 2022 Time: 09:00 PM to 8:00 PM Live on youtube.com/bhucan



SITARE
Biotech Innovation Ignition School (BIIS)
DAY-2
Validation, value addition, commercialisation of grassroots technologies Role of BIRAC in Nurturing Biotech Entrepreneurship Building Biotech startups How to get started and securing Intellectual Property



Date: Feb 16, 2022 Time: 10:30 AM to 1:30 PM Live on youtube.com/bhucan



SITARE
Biotech Innovation Ignition School (BIIS)
DAY-3
Startup Ecosystems and Women Entrepreneurship




Date: Feb 17, 2022 Time: 09:30 AM to 1:30 PM Live on youtube.com/bhucan

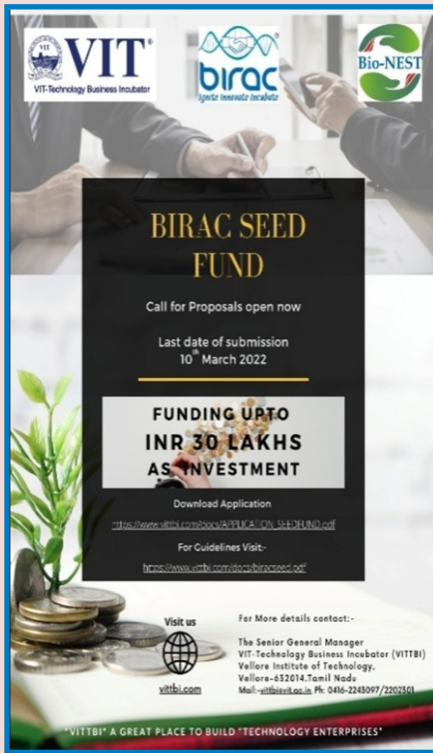


बाइरैक इक्विटी फंडिंग योजनाएं (सीड फंड) के तहत कॉल

स्थायी उद्यमिता और उद्यम विकास (सीड) फंड उद्यमों को बढ़ाने के लिए बायो इन्क्यूबेटर्स के माध्यम से नए और सराहनीय विचारों के साथ प्रति स्टार्ट-अप 30 लाख तक की इक्विटी-आधारित वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

देश भर से बाइरैक के सीड फंड भागिदार (बायोनेस्ट इन्क्यूबेटर्स) साल भर सीड फंड के लिए कॉल की घोषणा करते हैं। जनवरी-मार्च 22 के दौरान निम्नलिखित भागीदारों ने कॉल की घोषणा की:

- वीआईटी-टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबटर, वेल्लोर।
- बेंगलोर बायोइन्वेंशन सेंटर (बीबीसी), बेंगलोर।
- ए-आइडिया, एनएएआरएम, हैदराबाद।
- वेंचर सेंटर, पुणे



BIRAC SEED FUND
Call for Proposals open now
Last date of submission
10th March 2022

**FUNDING UPTO
INR 30 LAKHS
AS INVESTMENT**

Download Application
<https://www.vit.ac.in/propose/2021/KA/01/34121410.pdf>
For Guidelines Visit:-
<https://www.vit.ac.in/download/seed.pdf>

Visit us
vitbi.com

For More details contact:-
The Senior General Manager
VIT-Technology Business Incubator (VITBI)
Vellore Institute of Technology,
Vellore-632014, Tamil Nadu
Mail: vitbi@vit.ac.in Ph: 0416-2248097/2202304

"VITBI" A GREAT PLACE TO BUILD "TECHNOLOGY ENTERPRISES"



BIRAC-SEED FUND
upto **25 Lakhs**

**DEADLINE:
15TH APRIL, 2022**

**"Foster your
Business with
our Fund"**

Apply for BIRAC Seed Fund, Here: naarm.org.in

For Further Details,
Contact Us:

Mr. Amitava Mukherjee
Mob.: 8250890434
e-Mail: coo.aidea@naarm.in
Landline: 040-24581427/326

a-IDEA, TECHNOLOGY BUSINESS INCUBATOR, ICAR-NAARM
Rajendranagar, Hyderabad, Telangana-500030/www.aidea.naarm.org.in



**BANGALORE
BIOINNOVATION CENTRE
Announces
4th CALL**
Sustainable
Entrepreneurship
& Enterprise
Development Fund

SEED FUND

Last date of proposal submission
31st MARCH, 2022

**FUNDING UPTO
₹30 LAKHS**

Download application
form and refer to guidelines
for submission of hard copy
www.bioinnovationcentre.com/news

**SEED fund is an equity fund
provided to start-ups with
new and meritorious
ideas, innovations and
technologies in the life
science sector**

Bengaluru Lifesciences Park, IBAB Campus,
Electronics City Phase I,
Bengaluru-560100
☎ 080 2852280/90

director@bioinnovationcentre.com
consultant_ah@bioinnovationcentre.com
www.bioinnovationcentre.com



बाइरैक इक्विटी फंडिंग योजनाएं (लीप फंड) के तहत कॉल

लीप (लॉन्चिंग एंटरप्रेन्योरियल ड्रिवेन अफोर्डेबल प्रोडक्ट्स) फंड संभावित स्टार्ट-अप्स को 100 लाख रुपये तक की फंडिंग सहायता प्रदान करता है ताकि उनके उत्पादों/प्रौद्योगिकियों को पायलट/व्यावसायीकरण किया जा सके जो उनकी निर्माणपूर्व अवधि को कम करने के लिए पूर्व-व्यावसायीकरण चरण में पहुंच गए हैं।

बाइरैक के लीप फंड भागीदार (बायोनेस्ट बायोइनक्यूबेटर) वेंचर सेंटर, पुणे द्वारा बाइरैक लीप फंड के तहत प्रस्तावों की घोषणा की गई थी।



बाइरैक द्वारा समर्थित स्टार्ट-अप्स के लिए फंडिंग और मान्यता का पालन

- आरोग्य एआई इनोवेशन, बाइरैक की वीमेन इन एंटरप्रेन्योरियल रिसर्च अवार्डी 2020 ने मल्टीड्रग-रेसिस्टेंट ट्यूबरकुलोसिस (एमडीआर-टीबी) का तेजी से पता लगाने के लिए अपने एआई और सीक्वेंसिंग पर आधारित डायग्नोस्टिक प्लेटफॉर्म के लिए इंडो एज समर्थित रेडस्टार्ट लैब्स और अवाना कैपिटल (सीड प्रोग्राम) से 5.2 करोड़ रुपये जुटाए।
- बगवर्क्स ने लाइट रॉक इंडिया के नेतृत्व में वैश्विक निवेशकों से श्रृंखला बी1 फंडिंग में \$18 मिलियन (134 करोड़) रुपये जुटाए।
 - अपने सफर के शुरुआती चरणों के दौरान बाइरैक की बड़ी योजना के माध्यम से बगवर्क्स का समर्थन किया गया है।
- जीपीएस नवीकरणीय ने एसबीआईकैप वेंचर्स द्वारा प्रबंधित नीव फंड II से श्रृंखला बी फंडिंग राउंड में 150 करोड़ (20 मिलियन अमरीकी डालर) की पूंजी जुटाई।
- मेडिसिम वीआर ने इन्प्लेक्शन प्वाइंट वेंचर के नेतृत्व में पूर्व-श्रृंखला ए में 3.5 करोड़ रुपये जुटाए।
- उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा निम्नलिखित स्टार्टअप को राष्ट्रीय स्टार्ट-अप पुरस्कार 2021 के विजेताओं के रूप में मान्यता दी गई।
 - चिकित्सा उपकरण श्रेणी के तहत स्वास्थ्य और कल्याण क्षेत्र में बायोनिक् होप प्राइवेट लिमिटेड। यह स्टार्ट-अप स्पर्श और पकड़ नियंत्रण के साथ हल्के, किफायती कृत्रिम हाथ विकसित करता है।
 - औद्योगिक जैव प्रौद्योगिकी श्रेणी के तहत पर्यावरण क्षेत्र में रेवी एनवायरनमेंटल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड। यह स्टार्ट-अप बायोगैस का उत्पादन करने के लिए अपशिष्टों के माइक्रोबियल क्षरण द्वारा अपशिष्ट प्रबंधन के मुद्दों को हल कर रहा है।

पुरस्कारों की घोषणा 16 जनवरी 2022 को की गयी थी।

- निरामय हेल्थ एनालिटिक्स प्रा.लि. और इनएक्सेल टेक्नोलॉजीज प्रा.लि. ने विश्व बैंक समूह पुरस्कार और उपभोक्ता प्रौद्योगिकी संघ का वैश्विक महिला स्वास्थ्य तकनीक पुरस्कार प्राप्त किया जो उभरते बाजारों में महिलाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा में सुधार के लिए तकनीक का लाभ उठाने वाले अभिनव स्टार्ट-अप को मान्यता देता है।
- सी6 एनर्जी, पैनडोरम और बगवर्क्स को साईस्पॉट ब्लॉग में शीर्ष 20 नवीन बायोटेक कंपनियों के रूप में चित्रित किया गया था।
- ह्यूवेल लाइफसाइंसेज प्रा.लि. की सीईओ सुश्री रचना त्रिपाठी और संस्थापक निदेशक श्री शशीर को सीआईआई एसआर व्यापार उद्यमिता पुरस्कार 2022 से सम्मानित किया गया।



आगे बढ़ने की गतिविधियाँ

विशेष विषयगत कार्यक्रमों के तहत जागरूकता कार्यक्रम, विशेषज्ञ वार्ता, वेबिनार, रोड शो आदि जैसे आउटरीच कार्यक्रम नियमित रूप से बाइरैक के भागीदारों जैसे कि बायोनेस्ट इनक्यूबेटर, ई-युवा केन्द्रों, बीआईजी भागीदारों और बाइरैक के क्षेत्रीय केंद्रों द्वारा आयोजित किए जाते हैं। जनवरी-मार्च 2022 के दौरान आयोजित कुछ ऐसे कार्यक्रमों की सूची इस प्रकार है:

- 8 बीआईजी भागीदारों द्वारा बीआईजी सेंसिटाइजेशन सत्र / जागरूकता वार्ता का आयोजन किया गया



birac
Ignite Innovate Incubate

KIT-TBI

BIG SENSITIZATION SESSION

Get a breakdown of BIG application process

Virtual Platform – Microsoft Teams

Registration Link: cutt.ly/writingbig20



Organized & Supported by: **VENTURE CENTER**, **birac**, **Bio-NET**

In collaboration with: **Vivekvaraya National Institute of Technology (VNIT), Nagpur**, **Guwahati Biotech Park, Assam**

KNOW MORE SERIES
UNDERSTANDING BIRAC'S BIG SCHEME

In collaboration with: **13 Jan 2022** **11:00 AM - 12:00 PM**

Speaker	Speaker	Speaker
 Shalini Singh Specialist - Funding Programs, Venture Center, Pune	 Pallavi Bawaskar Associate Manager - Grant Programs, Venture Center	 Ajinkya Dhariya Founder & CEO PadCare Labs Sanitation Entrepreneur
Understanding BIG Scheme	Project Planning & Using Grant charts	Pointers to Success to be a BIG Grantee

Register at: <https://tinyurl.com/knowmore-BIG>

Meeting platform: Online webinar on Zoom

For queries: **Pallavi Bawaskar (Venture Center)** | big@venturecenter.co.in
Dr Bula Choudhury (GUWAHATI BIOTECH PARK) | biopdp@guwahatibiotechpark.com | 9954757390
Prof. A. M. Kuthe (VNIT Nagpur) | amkuth@vmit.ac.in | 9423680994



Organized & Supported by: **VENTURE CENTER**, **birac**, **Bio-NET**

In collaboration with: **Vivekvaraya National Institute of Technology (VNIT), Nagpur**, **Guwahati Biotech Park, Assam**

KNOW MORE SERIES
UNDERSTANDING BIRAC'S BIG SCHEME

In collaboration with: **22 Jan 2022** **11:00 AM - 12:00 PM**

Speaker	Speaker	Speaker	Speaker
 Dr. Shalini Singh Specialist - Funding Programs, Venture Center, Pune	 Dr. Smita Kale Manager, BioIncubator, Venture Center, Pune	 Sahil Jagtap CEO Primary Healthcare Private Limited, Coimbatore	 Priyadarshini Mani Founder, Managing Director of 201 Entre Plus Ltd.
Understanding BIG Scheme	Scientific Entrepreneurship	My BIG experience	Pointers to success

Register at: <https://tinyurl.com/knowmore-BIG>

Meeting platform: Online webinar on Zoom

For queries: **Pallavi Bawaskar (Venture Center)** | big@venturecenter.co.in | Phone: +91-9722332203

- बाइरैक बायोनेस्ट बायो इनक्यूबेटर आईकेपी नॉलेज पार्क ने निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए:
 - 2 मार्च को कोविड पर केंद्रित स्वास्थ्य तकनीक स्टार्टअप का प्रदर्शन करता रोड शो
 - 5 मार्च को अमृत ग्रैंड चैलेंज-जनकेयर स्टार्टअप चैलेंज-डिजिटल स्वास्थ्य
 - 26 मार्च को अमृत ग्रैंड चैलेंज पर वेबिनार-जनकेयर हेल्थकेयर डिलीवरी की फिर से कल्पना करना



- बाइरैक के ई-युवा केन्द्रों ने निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया:
 - 25 फरवरी को आत्मीय विश्वविद्यालय, राजकोट द्वारा विज्ञान से विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
 - 22 मार्च को आत्मीय विश्वविद्यालय, राजकोट द्वारा छात्र उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम।
 - 25 मार्च को करियर कॉलेज, भोपाल द्वारा छात्र उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
 - 28 मार्च को आत्मीय विश्वविद्यालय द्वारा स्वास्थ्य देखभाल एवं वेलनेस, कृषि, अपशिष्ट प्रबंधन, औद्योगिक बायोटेक, स्वच्छ ऊर्जा और स्वच्छता के विषय के तहत विचार किया गया



BIRAC's Roadshow Showcasing Healthtech Startups Focused on COVID

Panelist: **DR. SUBODH CHATURVEDI**
MD, Infectious Diseases, Director, Infectious Diseases, IIT Bombay

Panelist: **MR. MUKESH SHARMA**
MD, Infectious Diseases, Director, Infectious Diseases, IIT Bombay

Panelist: **MR. SWARNIL MUNDADA**
Director, Infectious Diseases, IIT Bombay

Panelist: **MS. KIRTI PANDEY**
Ex-Advisor, Health Sector, Director, Health Sector, IIT Bombay

Wednesday, 2nd March 2022
10:00 AM - 12:00 PM
REGISTER AT:
<https://bit.ly/BIRACKIP-ICEN3>

STARTUP SHOWCASE
Gossee, tick talk to, str!, Predible, Huwel, Bio2020



Jan-Care Startup Challenge Digital Health

Saturday March 05
10:30 am - 12:00 pm IST

Panelist: **Prof. Rajendra Pratap Gupta**
Founder, Health Parliament - Chair

Panelist: **Ms. Deepanshi Chatterjee**
Chairman & CEO, IKP Knowledge Park - Panelist

Panelist: **Dr. Shikhar Mishra**
Mission Director, Regional Health Management Unit (RHMU) - Panelist

Panelist: **Dr. Manish Datta**
Head, Strategic Partnership & Entrepreneurship Development, BIRAC - Panelist

JOIN US ON ZOOM
shorturl.at/sEMO2



Access to primary healthcare in tier-2, tier-3 cities and rural settings
FEBRUARY 15 | 3:30 - 5:00 PM

3:30 - 3:40 p.m. Welcome and Introduction to AGC IC
Dr. Viswanathan Duppala, AIP, IKP

3:40 - 3:50 p.m. Overview of AGC IC
Dr. Shikhar Mishra, Mission Director, GIE-India, BIRAC-PMU

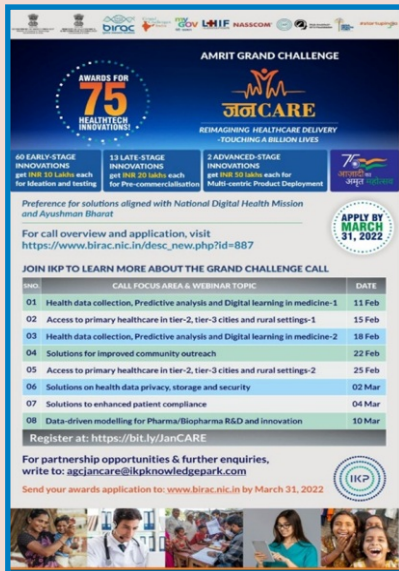
3:50 - 4:05 p.m. Challenges & Gaps in healthcare access and possible innovations to address these gaps
Dr. Ashwin Nair, Founder, Manish Wellness

4:05 - 4:20 p.m. Building a robust digital health ecosystem
Dr. Anurag Jain, Country Digital Health Lead, JPMI

4:20 - 4:35 p.m. Reimagining healthcare delivery
Prof. Rajendra Pratap Gupta, Founder, Health Parliament & Digital Health Academy

4:35 - 4:42 p.m. Startup Perspective: Addressing healthcare access challenges
Mr. Anurag Agarwal, Founder & CEO, Jansin Innovations

4:42 - 5:00 p.m. Q&A
Dr. Anurag Jain, Dr. Anurag Agarwal



AMRIT GRAND CHALLENGE

AWARDS FOR 75 HEALTHTECH INNOVATIONS

40 EARLY-STAGE INNOVATIONS get INR 10 Lakhs each for Prototyping and Testing

13 LATE-STAGE INNOVATIONS get INR 20 Lakhs each for Pre-commercialization

2 ADVANCED-STAGE INNOVATIONS get INR 10 Lakhs each for Multi-centric Product Deployment

Preference for solutions aligned with National Digital Health Mission and Ayushman Bharat

For call overview and application, visit https://www.birac.nic.in/desc_new.php?id=887

JOIN IKP TO LEARN MORE ABOUT THE GRAND CHALLENGE CALL

SNO	CALL FOCUS AREA & WEBINAR TOPIC	DATE
01	Health data collection, Predictive analysis and Digital learning in medicine-1	11 Feb
02	Access to primary healthcare in tier-2, tier-3 cities and rural settings-1	15 Feb
03	Health data collection, Predictive analysis and Digital learning in medicine-2	18 Feb
04	Solutions for improved community outreach	22 Feb
05	Access to primary healthcare in tier-2, tier-3 cities and rural settings-2	25 Feb
06	Solutions on health data privacy, storage and security	02 Mar
07	Solutions to enhanced patient compliance	04 Mar
08	Data-driven modelling for Pharma/Biopharma R&D and innovation	10 Mar

Register at: <https://bit.ly/JanCARE>

For partnership opportunities & further enquiries, write to: agcjanicare@ikpknowledgepark.com

Send your awards application to: www.birac.nic.in by March 31, 2022



One Day Event on VIGYAN SE VIKAS
February 25, 2022, 10 am onwards Atmiya University, Rajkot

EXPERT TALK (HYBRID MODE)

Dr. Sumit Vyas
Project Director, Regional Science Center, GUCOST, D57
Title of Talk: Potential, Journey and Impact of Biotechnology on the society

SUSTAINABLE ART COMPETITIONS (OFFLINE)

Event 1: Rangoli Making Level 1&2 Theme: Vigyan Se Vikas
Size of Rangoli: 24x4 ft
Time Duration will be 90 min.
Participant should bring their own materials.

Event 2: Sciencetoon Competition Level 1&2 Theme: Vigyan Se Vikas
Time Duration will be 90 min.
The organizers will provide only drawing sheet (22x28").

Event 3: Scrap to Sculpture Level 1:- For School Student
Theme:- Indian Scientist
Level 2:- UG/PG/PhD Student
Theme:- Scientist who gave noteworthy contribution in Biotechnology
Participants can make Statues or Sculpture from Wax, Wood, Ecofriendly material, Waste material or E-waste.
Note:- Sculpture should be made at home & brought to venue for Display.

Last date of Registration is February 22, 2022

For Further Query Contact us at:- +917578793636
Organized by:- E-Yuva Center, Atmiya University, Rajkot

बायोनेस्ट बायोइनक्यूबेटर-ई-युवा केंद्र का उद्घाटन

- आरसीबी, फरीदाबाद में बाइरैक के बायोनेस्ट बायोइनक्यूबेटर-बीएससी बायो इनक्यूबेटर का उद्घाटन 26 फरवरी 2022 को माननीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह द्वारा किया गया था। डॉ राजेश गोखले, सचिव डीबीटी और अध्यक्ष, बाइरैक; डॉ. अलका शर्मा, वैज्ञानिक-एच, डीबीटी और एमडी, बाइरैक; डॉ. मनीष दीवान, अध्यक्ष-एसपीईडी, बाइरैक भी उद्घाटन में शामिल हुए।
- 28 फरवरी 2022 को एडम विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल में बाइरैक के ई-युवा केंद्र का उद्घाटन किया गया।





- बाइरैक के क्षेत्रीय केन्द्रों ने निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया:
 - बाइरैक के क्षेत्रीय जैव-नवाचार केंद्र (बीआरबीसी) ने निम्नलिखित कार्यशालाओं का आयोजन किया:
 - एग्रीटेक और खाद्य विनियमों, बिक्री और विपणन रणनीतियों, व्यवसाय योजना और चिकित्सा उपकरणों के लिए विनियमों पर सलाहकार क्लिनिक
 - अभ्यासियों के लिए डिजिटल मार्केटिंग और ब्रांडिंग पर वेंचर आधारित कैंप
 - नए इनक्यूबेशन केंद्रों के प्रबंधकों के लिए ऑनलाइन इमर्शन कार्यक्रम
 - लैब से क्लिनिक तक नई दवाएं ले जाना: अवधारणाएं और केस स्टडी
 - बाइरैक के क्षेत्रीय तकनीकी-उद्यमिता केंद्र ने केआईआईटी, बायोनेस्ट में पूर्व और उत्तर पूर्व के लिए दक्षिण बिहार के केंद्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से नवाचार और उद्यमिता पर एक आभासी क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया
- बाइरैक के क्षेत्रीय उद्यमिता केंद्र (बीआरईसी) ने निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए:
 - इनक्यूबेटर प्रबंधक इमर्शन कार्यक्रम
 - निवेशकों के साथ बैठक
 - श्री पद्मावती महिला विश्व विद्यालय, तिरुपति, आंध्र प्रदेश; एमटी विश्वविद्यालय, ग्वालियर; डीएसटी टीईसी, मिजोरम विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों के साथ साझेदारी में राष्ट्रीय जीवन विज्ञान उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम



ISO 13485:2016
Internal Auditor Training Course

Organized by



ISO 13485:2016 Medical Devices Quality Management System

(Wed-Fri) | 25 - 27 MAY, 2022 | Time: 9 am - 6 pm
Lecture Theatre @ Venture Center, 100 NCL Innovation Park, Pune

Focusing on	Workshop Highlights
Align to the regulatory QMS audit requirements and help startups chart out an Internal Audit Plan for their company in 3 days.	- Gain a better insight into the use of ISO 13485:2016 as the basis for a Quality Management System (QMS) implemented by medical device manufacturers. - Learn how to audit the processes of an ISO 13485:2016 Quality Management System (QMS). This course provides guidance and practical experience in planning, executing, reporting and audit follow-up of an internal audit which monitoring the effectiveness and conformity of an ISO 13485:2016 compliant QMS. Camp will be conducted by a senior auditor from ISO Training Academy India.

Interested participants need to fill in registration form at the following link
<https://tinyurl.com/VBC-Auditor-Course>
More details available on: <http://www.brbc-venturecenter.co.in/events/>

Technical queries:
Chetna Dhanawat | 9156465147 | chetna@web.venturecenter.co.in
Registration related queries:
Meghana B | 8956875431 | meghana.bhandari@venturecenter.co.in
Lipika Bhowik | 9156465137 | lipika@web.venturecenter.co.in



BRBC Virtual Capacity Building Training Program on

Innovation & Entrepreneurship

REGISTER cutt.ly/BRBC-CUSB

On
27th & 28th
January, 2022

HOST INSTITUTE
Central University of South Bihar
Gaya, Bihar



M Clinic on Sales & Marketing Strategies, Business Planning & Regulations for Medical Devices

Organized by BRBC

Potential gains	The event is an online M Clinic organized by BRBC.
Organized by	BRBC Regional BioInnovation Center (BRBC) @ Venture Center
Supported by	- BIRAC (Biotechnology Innovation Research Assistant Council) - Venture Center
For whom	Entrepreneurs, early stage startups, Venture Center incubatees
Monitors	Mr. Ravi Sarangapani - Sales and Marketing Expert
When	Monday & Wednesday 02 & 04 May 2022 11:00 am - 05:00 pm
Where	This Clinic is conducted on Venture Center Campus; Separate confirmation email will be shared with selected participants
Registration	Register at: https://tinyurl.com/RS-M-Clinic
Contact	Technical queries: Meghana meghana.bhandari@venturecenter.co.in

Slots for Mentoring Clinic (11:00 am - 05:00 am)

आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम

- आईआईटी मद्रास हेल्थ टेक्नोलॉजी इनोवेशन सेंटर मेडटेक बायोनेस्ट इनक्यूबेटर ने 27 जनवरी, 2022 को तमिलनाडु सोसाइटी ऑफ इंडिया-तमिल नाडु चैप्टर के सहयोग से एचटीआईसी स्वास्थ्य देखभाल बैठक का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में पैनल चर्चा, विशेषज्ञ सत्र और स्टार्ट-अप प्रदर्शन शामिल थे।
- 25 फरवरी, 2022 को आत्मीय विश्वविद्यालय, राजकोट में बाइरैक के ई-युवा केंद्र द्वारा विज्ञान से विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। जहाँ हाइब्रिड मोड के माध्यम से "समाज पर जैव प्रौद्योगिकी की क्षमता, यात्रा और प्रभाव" पर विशेषज्ञ वार्ता आयोजित की गई थी और ऑफलाइन मोड के माध्यम से सतत कला प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- 19 फरवरी 2022 को बाइरैक के बायोनेस्ट श्री रामचंद्र इनोवेशन सेंटर (एसआरआईआईसी) द्वारा "समस्या-समाधान फिट और उत्पाद-बाजार फिट प्राप्त करना" पर वेबिनार का आयोजन किया गया था।
- विज्ञान से विकास और प्रौद्योगिकी से प्रगति- एक स्वास्थ्य देखभाल बैठक जिसका आयोजन 16 मार्च 2022 को बाइरैक बायोनेस्ट बायो इनक्यूबेटर आईआईटीएम एचटीआईसी मेडटेक इनक्यूबेटर द्वारा किया गया था। इस बैठक में इमेजिंग तकनीक के क्षेत्र में पैनल चर्चा, विशेषज्ञ सत्र और स्टार्ट-अप डेमो शामिल थे।



HTIC Healthcare Conclave
Azadi ka Amrit Mahotsav - Vigyan se Vikas & Prodyogiki se Pragti

KEY NOTE ADDRESS
Dr. Manish Dheen
Strategy Partnership & Entrepreneurship Head,
BIRAC

Panel Discussion 1: Building Start-up Ecosystem through Academic Institutions

Expert session 1: Emerging Trends in Healthcare Digital Solutions

Panel Discussion 2: Digital Solution and Digital Wearable's in Healthcare

10 AM - 1:20 PM | July 27, 2022 | <https://forms.gle/htichealthcareconclave> | Register now



HTIC Healthcare Conclave
Azadi ka Amrit Mahotsav - Vigyan se Vikas & Prodyogiki se Pragti

KEY NOTE ADDRESS
Dr. V. Mohan
Chairman, Dr. Mohan's Diabetes
Specialists Center & Director,
Madras Diabetes Research
Foundation
Padma Shri Awardee

Panel Discussion 1: Telehealth - Practitioner's Perspective & Patient experiences

Expert session 1: Understanding Telemedicine Requirements & Regulations

Panel Discussion 2: Innovation & Practices in Telemedicine

10 AM - 1:20 PM | Jan 27, 2022 | <https://forms.gle/htichealthcareconclave> | Register now



HTIC Healthcare Conclave
Azadi ka Amrit Mahotsav - Vigyan se Vikas & Prodyogiki se Pragti

KEY NOTE ADDRESS
Dr. Manish Dheen
Strategy Partnership & Entrepreneurship Head,
BIRAC

Panel Discussion: Medical Imaging Techniques - An Abstract (X-ray, CT, PET, MRI, Sonography)

Expert Talk: Experience sharing - Case studies

Expert session 1: Debunking radiology myths - Are imaging techniques harmful?

Expert session 2: Clinical Application of Multi color imaging technology

Expert Session: Advances & Innovations - An Overview (Echo Pixel True 3D, AI & Cinematic rendering)

In Conversation

10 AM - 1:45 PM | Mar 16, 2022 | <https://forms.gle/htichealthcareconclave> | Register now





महिला दिवस 2022

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस लैंगिक समानता के संदेश को फैलाने और एक बेहतर समाज बनाने की ओर एक साथ काम करने के लिए 8 मार्च को मनाया जाता है जहां कोई लिंग पूर्वाग्रह नहीं होता है। इस कार्यक्रम का उत्सव मनाने के लिए और बाइरैक में महिला कर्मचारियों के लिए दिन को मजेदार बनाने के लिए, सुबह कुछ खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं की उपलब्धि पर आधारित क्विज और म्यूजिकल चेरर प्रतियोगिता शामिल थी। सभी आवश्यक कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए प्रतियोगिताओं को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया।

शाम के इस सत्र की अध्यक्षता डॉ. राजेश गोखले (सचिव डीबीटी और अध्यक्ष बाइरैक) ने डॉ. अलका शर्मा (वरिष्ठ सलाहकार डीबीटी और एमडी बाइरैक), निदेशकों (संचालन, वित्त), बाइरैक के सभी विभागों के प्रमुखों और सभी कर्मचारियों की उपस्थिति में की। इस सत्र का आयोजन हाइब्रिड मोड में किया गया था। शाम के इस सत्र में "टिकाऊ कल के लिए आज लैंगिक समानता" पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति थी, जिसके बाद एक प्रतिभा की खोज कार्यक्रम था जिसमें बाइरैक के सभी कर्मचारियों के लिए कविता, चित्रकला और गायन प्रतियोगिताएं शामिल थीं। प्रतिभा की खोज का विषय "नारी शक्ति" था। सभी प्रतियोगिता वर्गों के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए। कार्यक्रम का समापन डॉ. राजेश गोखले (सचिव डीबीटी और अध्यक्ष बाइरैक) की टिप्पणियों के साथ हुआ।

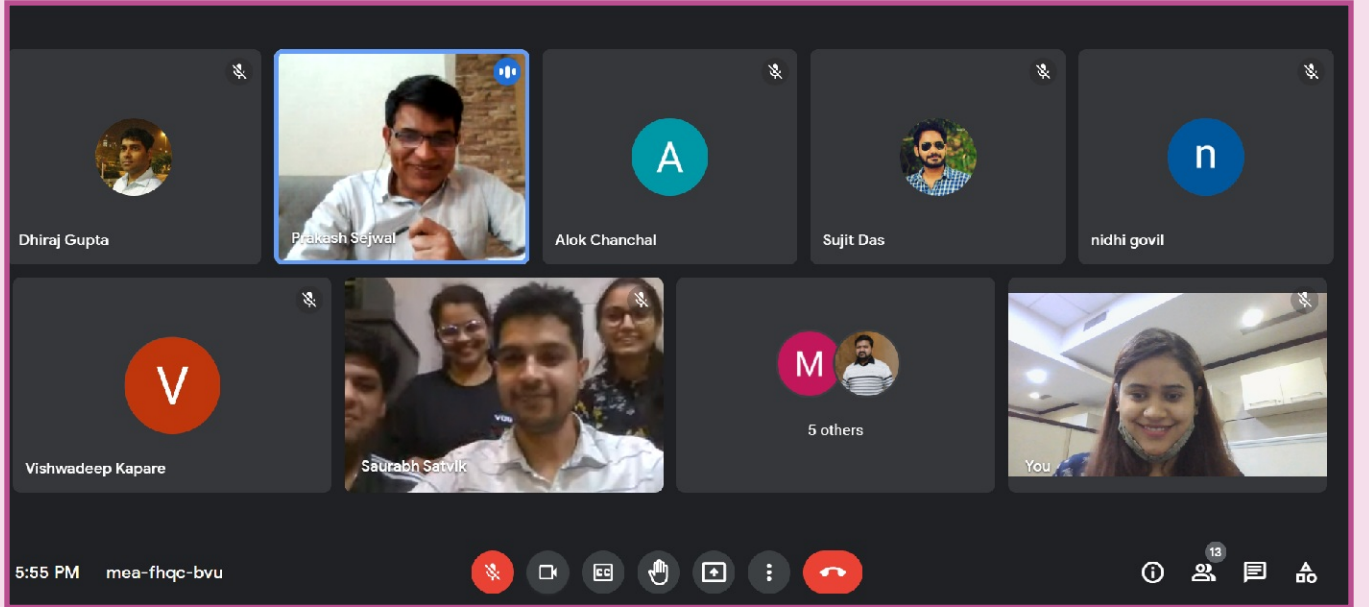
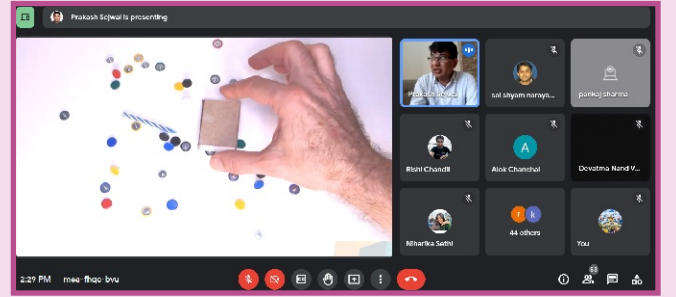
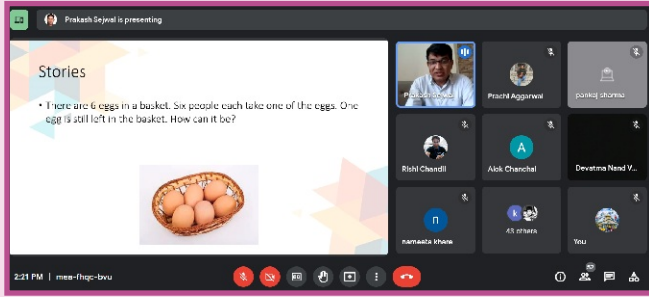




निर्णय लेने, समस्या को सुलझाने और विपरीत परिस्थितियों में काम करने पर प्रशिक्षण

बाइरैक संगठन में सभी को निरंतर सुधार, क्रॉस लर्निंग के साथ-साथ नवीन और प्रेरक गतिविधियों में लगे रहने के महत्व को समझता है। 25 मार्च 2022 को कर्मचारियों के लिए स्थिति चर को विच्छेदित करने, प्राथमिकताओं और निर्णय लेने और कार्यस्थल में रचनात्मक समस्या समाधान के व्यावसायिक कारणों को पहचानने में मदद करने के लिए, बाइरैक कर्मचारियों के लिए 'निर्णय लेना, समस्या समाधान और प्रतिकूल परिस्थितियों में काम करने' पर आंतरिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

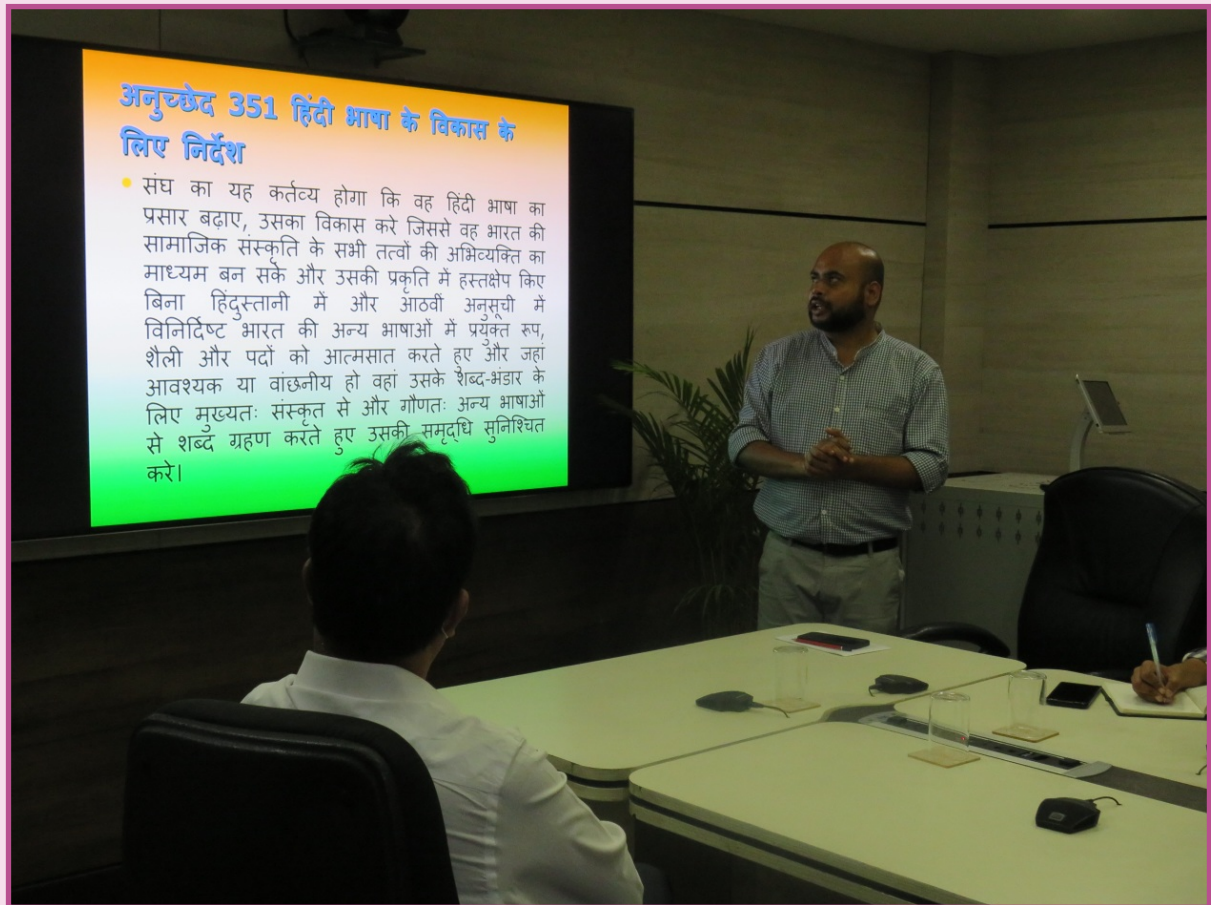
प्रशिक्षण ने विभिन्न केस स्टडीज के माध्यम से सर्वोत्तम संभव निर्णय पर पहुंचने के लिए सहक्रियात्मक समन्वय और उद्देश्यों को महत्व देने के लिए कार्यस्थल में गैर-प्रमुख प्राथमिकताओं को महत्व देने वाले कर्मचारियों की मदद की।





राजभाषा अधिनियम पर वर्कशॉप

राजभाषा अधिनियम के कार्यान्वयन के क्रम में, कर्मचारियों को राजभाषा के महत्व और प्रावधानों से परिचित कराने के लिए 30 मार्च 2022 को बाइरैक के कर्मचारियों के लिए एक वर्चुअल वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप ने कर्मचारियों को राजभाषा अधिनियम के संवैधानिक प्रावधानों को समझने और दिन-प्रतिदिन आधिकारिक पत्राचार में राजभाषा लागू करने में मदद की।



ग्रैंड चैलेंजेज इंडिया (जीसीआई)

चौथी वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक एनएसए सैक, 10 फरवरी 2022

क्षमता निर्माण और एमएसएसआरएफ, चेन्नई द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे पोषक उद्यानों की स्थापना के माध्यम से कुपोषित ग्रामीण परिवारों के लिए खाद्य आधारित पोषण सुरक्षा

यह परियोजना एम.एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन (एमएसएसआरएफ) द्वारा चार राज्य के कृषि विश्वविद्यालयों और कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) की भागीदारी के सहयोग से पालघर, महाराष्ट्र, तिरुवल्लूर, तमिलनाडु, कानपुर देहात, उत्तर प्रदेश और जयपुर (एमएसएसआरएफ कैंपस), ओडिशा में कार्यान्वित की जा रही है।

इस परियोजना ने कृषि विज्ञान केंद्रों में पोषक तत्वों से भरपूर और बायोफोर्टिफाइड पौधों की प्रजातियों के उद्यान स्थापित किए हैं, जो विशिष्ट कृषि-पारिस्थितिक क्षेत्रों (अत्यधिक कुपोषित जिलों) में विशिष्ट पोषक तत्वों (विटामिन और खनिज) की कमी को दूर करेंगे। इसके अलावा, यह उद्यान किसान परिवारों के लिए बीज और रोपण सामग्री के संसाधन केंद्र के रूप में भी काम करेंगे। बदले में यह, कृषि-पोषण की कड़ी को मजबूत करेगा और कुपोषण को खत्म करने के लिए सामुदायिक भूख सेनानियों के माध्यम से कुपोषित वर्गों के बीच पोषण जागरूकता पैदा करने में मदद करेगा।

चौथी वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक वर्चुअल रूप से 10 फरवरी, 2022 (गुरुवार) को आयोजित की गई थी। इस बैठक में हितधारकों, सलाहकारों और अनुदानग्राही और परियोजना टीम के बीच विस्तृत बातचीत के माध्यम से अंतिम अवधि के मूल्यांकन के लिए परियोजना गतिविधियों पर चर्चा और समीक्षा की गई। यहाँ सिफारिशों, प्रमुख कार्रवाई बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया, और तदनुसार वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए भविष्य की गतिविधियों की योजना बनाई गई।

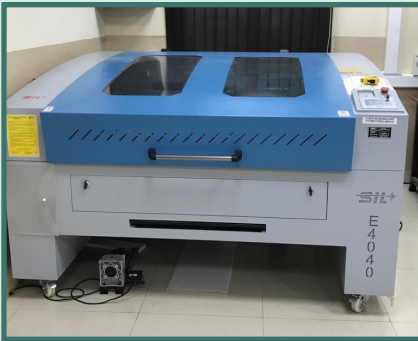
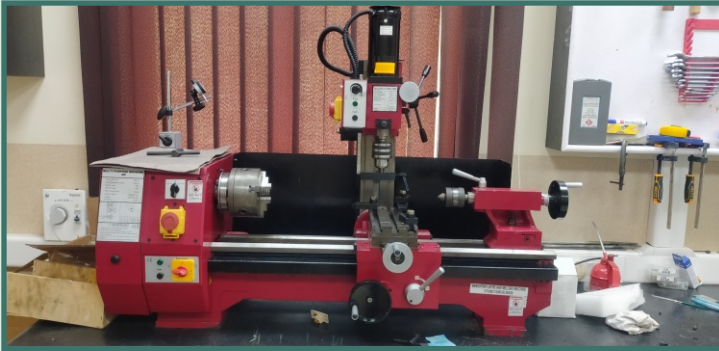


राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन

मेडटेक आईआईटी कानपुर सुविधा प्रमाणीकरण

मेडटेक आईआईटी कानपुर मेडिकल-ग्रेड तकनीक और समाधानों से भरपूर उत्तर भारत में एक स्थानीय उत्पादन केंद्र को बढ़ावा देने के लिए आंतरिक गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली के साथ मेडिकल डिवाइसेस और उपकरणों के डिजाइन व निर्माण के लिए एक परिष्कृत सुविधा है। यह सुविधा चिकित्सा उपकरणों के लिए ISO13485:2016 प्रमाणपत्र द्वारा मान्यता प्राप्त है। इसे 2019 में आईआईटी कानपुर और राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन, बाइरैक के बीच एक संयुक्त पहल के रूप में स्थापित किया गया था। यह सुविधा सस्ती कीमतों पर गैर-खतरनाक चिकित्सा उपकरणों के प्रारूप बनाती है। यह शोधकर्ताओं, छात्रों, डॉक्टरों, उद्यमियों के विचारों को कार्यात्मक प्रारूपों में बदलने में मदद करता है।

यह सुविधा निम्नलिखित सेवाएं प्रदान करती है; डिजाइन का विश्लेषण, सीएडी मॉडलिंग, रिवर्स इंजीनियरिंग और पीसीबी डिजाइन। इस सुविधा ने ऐसे प्रारूप तैयार किए हैं जिनकी चिकित्सा समुदाय द्वारा सराहना की गई है, जैसे कि संजीवनी (ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर), IV फ्लूइड वार्मर और जॉ ओपनिंग डिवाइस।



मेडटेक आईआईटी कानपुर की सुविधा की झलक)

मराठवाड़ा मेडटेक लैब सुविधा

औरंगाबाद, महाराष्ट्र में स्थित मराठवाड़ा मेडटेक लैब (एमएमटीएल); चिकित्सा उपकरणों के लिए एक रैपिड प्रोटोटाइप सुविधा (RPT) है। एमएमटीएल सुविधा आईएसओ 13485:2016 प्रमाणित है। यह राष्ट्रीय जैव-फार्मा मिशन के तहत वित्त पोषित है। यह राष्ट्रीय स्तर पर शोधकर्ताओं और सलाहकारों के लिए कनेक्शन का अत्यधिक लाभ प्रदान करती है।

एमएमटीएल तीन प्रमुख श्रेणियों में अपने अत्याधुनिक उपकरणों के साथ आरपीटी सेवाएं प्रदान करता है जैसे कि थर्मोप्लास्टिक, मेटल मशीनिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोटोटाइप। इस सुविधा का उद्देश्य चिकित्सा उपकरणों के तेजी से प्रोटोटाइप के लिए स्टार्ट-अप, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और औद्योगिक ग्राहकों की सहायता करना है।







डेंगू को बेअसर करने वाली एंटीबॉडी प्रतिक्रियाओं को मापने के लिए एक मजबूत अनुकूलित परख प्रणाली – डॉ मुरली काजा, डॉ अनमोल चंदेल और टीम द्वारा विकसित – एनबीएम बाइरैक द्वारा समर्थित

डेंगू दुनिया भर में एक महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है, जिसमें भारत वैश्विक डेंगू बीमारी के बोझ का लगभग एक तिहाई योगदान देता है। कई वैक्सीन उम्मीदवार भारत और दुनिया भर में विकास के विभिन्न चरणों में हैं और/या नैदानिक परीक्षण सभी चार डेंगू सीरोटाइप के खिलाफ व्यापक रूप से तटस्थ एंटीबॉडी के साथ एक संतुलित प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया प्राप्त करने के लक्ष्य के साथ हैं। ये प्रयास डेंगू से उजागर और/या टीकाकृत आबादी के नमूनों के एक बड़े समूह में चार डेंगू वायरस सीरोटाइप में से प्रत्येक के खिलाफ एंटीबॉडी प्रतिक्रियाओं को बेअसर करने के माप पर निर्भर करते हैं।

- चूंकि भारत में डेंगू की वैक्सीन का मूल्यांकन जारी है, इसलिए इन प्रयासों को सुविधाजनक बनाने के लिए डेंगू को बेअसर करने वाली एंटीबॉडी प्रतिक्रियाओं को मापने के लिए एक मजबूत अनुकूलित परख प्रणाली की आवश्यकता है। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, राष्ट्रीय बायोफार्मा मिशन (एनबीएम, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, भारत सरकार) द्वारा वित्त पोषित डेंगू ट्रांसलेशनल कंसोर्टियम (डेंगू-टीआरसी) के माध्यम से आईसीजीईबी, नई दिल्ली में आईसीजीईबी-एमोरी वैक्सीन केंद्र की संयुक्त प्रयोगशाला टीम के साथ, हाल ही में भारत से नैदानिक नमूनों में डेंगू को बेअसर करने वाली एंटीबॉडी प्रतिक्रियाओं को मापने के लिए उच्च थ्रूपुट प्लो साइटोमेट्री-आधारित मूल्यांकनों को अनुकूलित किया है। यह लेख "वैक्सीन" पत्रिका में प्रकाशित हुआ है, शर्मा पी, नायक के, रेड्डी ईएस, फारुकी एच, मुरली-कृष्णा के, चंदेल ए। चार डेंगू वायरस सीरोटाइप में से प्रत्येक के खिलाफ एंटीबॉडी प्रतिक्रियाओं को बेअसर करने के लिए प्लो-साइटोमेट्री आधारित मूल्यांकन का अनुकूलन। वैक्सीन्स (बेसल)। 2021;9(11):1339 प्रकाशित 2021 <https://www.ncbi.nlm.nih.gov/pmc/articles/PMC8619405>
- इच्छुक पार्टियां डॉ. माधवी राव, वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधक, एनबीएम, बाइरैक से संपर्क कर सकती हैं ताकि आईसीजीईबी में डेंगू टीआरसी शोधकर्ताओं के साथ समन्वय में इस अनुकूलित परख का उपयोग करके अपने डेंगू उम्मीदवार के टीके के मूल्यांकन प्रयासों को सुविधाजनक बनाया जा सके।

3500+

स्टार्ट-अप, उद्यमी,
कंपनियों ने समर्थन
किया, लाभार्थियों



75

बायोइन्क्यूबेटरों
का समर्थन किया



4

क्षेत्रीय एवं
उद्यमिता विकास
केंद्र



बाइरैक द्वारा
₹ 4000 करोड़
की वित्त पोषण सहायता



₹ 1444 करोड़
की उद्योग
प्रतिबद्धता



344

शैक्षणिक संस्थानों
का समर्थन किया

प्रेरण नवप्रवर्तन व्यवसाय

₹ 4242 करोड़
का कुल वित्त
पोषण

10000

से अधिक लोगों का
कौशल विकास और
नेटवर्क तक पहुँच



713132

वर्ग फुट का
इन्क्यूबेशन स्थल



₹ 363 करोड़+
सभी 3 इक्विटी योजनाओं
ऐस, सीड एवं लीप फंड
द्वारा सौपी गई निधियों
का कुल फंड



32474
रोजगार उत्पन्न



16
बायोइन्क्यूबेटरों का
इक्विटी आधारित सीड फंड
के अंतर्गत समर्थन किया



1250

आईपी जेनरेटेड



650

उत्पाद एवं
प्रौद्योगिकियाँ



विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया संपर्क करें:

जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद (बाइरैक)

प्रथम तल, एमटीएनएल बिल्डिंग, 9, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003, भारत

टेलीफोन: +91-11-24389600 | फैक्स: +91-11-24389611

ई-मेल: birac.bdt@nic.in | वेबसाइट: www.birac.nic.in

हमें ट्विटर : @BIRAC_2012 पर फॉलो करें।